हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligadh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 27 | अलीगढ़, बुधवार, 23 अगस्त 2023 | पृष्ठ : 4, मूल्य : 2 रूपये

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना का किया शुभारंभ बोले, बीमा : राज्य से सरप्लस स्टेट बना यूपी

लखनऊ(संवाददाता)। विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर सोमवार को लखनऊ के लोक भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजनाश का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, यूपी 6 साल पहले बीमारू राज्य था लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। यूपी अब सरप्लस स्टेट बन गया है। यहां मेडिकल डिवाइस पार्क बन रहा है। यूपी सुरक्षा की गारंटी देने वाला पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के नौजवानों, उद्यमियों, बहनों और नागरिकों के सामने पहचान का संकट नहीं है। इसलिए अलग–अलग सेक्टर में जब सरकार ने काम करना शुरू किया गया तो इसके अलग परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, जहां पहले गोलियां चलतीं थीं अब वहां प्रदेश सरकार एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बना रही है। जहां आंदोलन होते थे वहां सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे और बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे बना दिए हैं। निवेशक डिफेंस कारिडोर में निवेश कर रहे हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने प्लेज पार्क योजना के अंतर्गत जनपद झांसी, हापुड़ एवं सम्भल में निजी औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए विकासकर्ताओं को प्रथम किस्त 1,137 लाख का चेक वितरित किया। उत्तर प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को

प्रोत्साहन देने के लिए आज मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर ‘मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना” का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से अपरिहार्य परिस्थितियों में सूक्ष्म उद्यमियों को सहायता प्रदान की जा सकेगी। इसके अंतर्गत पात्र सूक्ष्म उद्यमी की दुर्घटना में मृत्यु होने या अपंगता पर 5 लाख रुपए तक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 18 वर्ष से 60 वर्ष के सूक्ष्म श्रेणी के उद्यमियों द्वारा आवेदन किया जा सकता है। इसमें ऐसे सूक्ष्म उद्यमियों को चुना जाएगा जो जीएसटी विभाग के द्वारा संचालित व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना का लाभ पाने के पात्र नहीं हैं। योजना के अंतर्गत दुर्घटना के चलते यदि किसी सूक्ष्म उद्यमी की मृत्यु होती है, तो उसके परिजनों को 5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। और उद्यमी के दुर्घटना में स्थाई अपंगता पर भी 5 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद की जाएगी। वहीं आंशिक अपंगता पर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी विकलांगता प्रमाण पत्र में विकलांगता प्रतिशत के अनुसार राहत राशि प्राप्त होगी। एक माह में क्लेम का निस्तारण किया जाएगा और दुर्घटना होने की दशा में पीड़ित के परिवार द्वारा ऑनलाइन व्यवस्था में आवेदन करने के बाद समस्त प्रपत्रों की एक प्रति संबंधित जिले के उपायुक्त उद्योग को प्रस्तुत की जाएगी। रजिस्टर्ड सूक्ष्म उद्यमी की दुर्घटना होने की दशा में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उपायुक्त उद्योग से क्लेम धनराशि की संस्तुति प्राप्त होने के बाद निदेशालय स्तर से उद्यमी के नामित वारिस को बीमा की धनराशि डीबीटी के माध्यम से अधिकतम एक माह में उपलब्ध करा दी जाएगी। उत्तर प्रदेश में लगाई गई कुल एमएसएमई इकाइयों का लगभग 15 प्रतिशत लोग ही औपचारिक रूप से उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं और 85 प्रतिशत इकाइयां अनौपचारिक रूप से कार्यरत हैं। उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य न होने के कारण इन इकाइयों के आंकड़े औपचारिक रूप से उपलब्ध नहीं होते हैं। और औपचारिक आंकड़ों की उपलब्धता न होने से इस क्षेत्र का आर्थिक योगदान वास्तविक रूप से प्रदर्शित नहीं हो पाता है। लेकिन अब ऐसे उद्यमियों को भी सरकार के द्वारा रजिस्टर्ड किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्लेज पार्क योजना के अंतर्गत जनपद झांसी, हापुड़ एवं सम्भल में निजी औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए विकासकर्ताओं को प्रथम किस्त 1,137 लाख का चेक वितरित किया। इसे कि इन तीनों की जनपदों में औद्योगिक पार्क को विकसित किया जा सके।

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर अमित शाह बोले, राम मंदिर और पिछड़ों के लिए बाबूजी के सपनों को पीएम मोदी ने पूरा किया

अलीगढ़(संवाददाता)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पिछड़ों, गरीबों के कल्याण और राम मंदिर निर्माण के बाबूजी (कल्याण सिंह) के सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है। सोमवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित हिंदू गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा जब बाबूजी उप्र के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को गति दी, गरीब कल्याण के भाजपा के विचार को जमीन पर उतारा और सामाजिक सद्भाव बिगाड़े बगैर पिछड़े समाज के लोगों के कल्याण को अपना लक्ष्य बनाया। मुझे खुशी है कि जो शुरुआत बाबूजी करके गये थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसे पूरा किया। अमित शाह ने ‘भारत माता की जय और ‘जय श्रीराम के नारों के बीच कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि दी और कहा ‘‘दिल्ली से आज एक ही काम के लिए आया हूं। भाजपा के वरिष्ठ नेता, राम भक्त और पिछड़ों

के कल्याण के लिए उप्र में कार्यक्रम शुरू करने वाले कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने आया हूं। उन्होंने कहा ‘‘सभी लोगों के जीवन में कुछ पल आते हैं, जो उस व्यक्ति का परिचय करा देते हैं। बाबूजी के जीवन में ऐसे पल आए। राम भक्तों का सैलाब अयोध्या में उमड़ पड़ा। लोगों ने दबाव बनाया कि गोलियां चलाकर कारसेवकों को रोका जाए। बाबूजी ने उस पल निर्णय लिया–मैं गोली नहीं चलाऊंगा, मैं मुख्यमंत्री पद त्याग दूंगा। शाह ने कहा ‘‘आज हम सबको आनन्द है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2024 के शुरू में रामलला साढ़े पांच सौ साल बाद अपने निज घर के अंदर, अपने भव्य मंदिर में बिराजेंगे। उस दिन दुनिया भर के राम भक्तों में संतोष और गौरव का भाव आएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में 73 सीटों पर जीत का रिकार्ड तोड़कर 80 सीटों पर कमल खिलाया जाएगा? उन्होंने कहा ‘‘अगर ऐसा होता है तो बाबूजी को इससे बड़ी कोई श्रद्धांजलि नहीं हो सकती। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा ‘‘उप्र में 1991 में सुरक्षा, सुशासन का माहौल पहली बार तब बना, जब कल्ध्याण सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, उप्र के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत कई प्रमुख लोगों ने कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में कल्ध्याण सिंह के पुत्र और भाजपा सांसद राजवीर सिंह राजू समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे कल्याण सिंह ने राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के तौर पर भी अपनी सेवाएं दी थीं। 21 अगस्त 2021 को उनका निधन हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात की रेप पीड़िता को 27 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की दी अनुमति

नयी दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात की 27 सप्ताह की गर्भवती को मेडिकल गर्भपात कराने की अनुमति दे दी, जिसके साथ शादी का झूठा झांसा देकर बलात्कार किया गया था। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली पीड़िता द्वारा मांगी गई राहत को मंजूरी दे दी और उसे चिकित्सा प्रक्रिया के लिए इस दिन या मंगलवार को सुबह 9 बजे अस्पताल में उपस्थित होने के लिए कहा। पीठ ने कहा कि यदि भ्रूण जीवित पाया जाता है, तो अस्पताल यह सुनिश्चित करने के लिए ऊष्मायन सहित सभी सुविधाएं प्रदान करेगा। इसके अलावा, इसने गुजरात सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने को कहा कि बच्चे को कानून के अनुसार गोद लिया जाए। 19 अगस्त को बुलाई गई एक विशेष बैठक में, सुप्रीम कोर्ट ने पीडिता की याचिका पर गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए लंबे स्थगन पर चिंता व्यक्त की थी।शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, ‘अजीब बात है कि उच्च न्यायालय ने मामले को 12 दिन बाद (मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद)

23 अगस्त को सूचीबद्ध किया, इस तथ्य को नजरअंदाज करते हुए कि देरी का हर दिन महत्वपूर्ण था और बहुत महत्व रखता था। 17 अगस्त को गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा लिए गए फैसले को चुनौती देते हुए एक विशेष अनुमति याचिका दायर किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट का ध्यान इस मामले पर आकर्षित हुआ। अपने विवादित आदेश में, उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता की 26 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

बीजेपी सरकार के विकास मॉडल पर अखिलेश ने कसा तंज, कहा, भाजपा राज में जेबकतरे बड़ी-बड़ी गाड़ियों से चलने लगे हैं

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट शेयर करते हुए योगी सरकार के विकास मॉडल पर कटाक्ष किया है। अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार के विकास मॉडल को लेकर योगी सरकार पर तंज कसते हुए ट्वीट किया है कि ”भाजपा के राज में अब जेब कतरे बड़ी–बड़ी गाड़ियों में सवारी करने लगें हैं, क्या ये वही भाजपा का विकास मॉडल है? अखिलेश यादव ने ये ट्वीट आज ही के दिन यानि 19 अगस्त को सुबह 10 बजकर 36 मिनट पर किया है। अखिलेश यादव ने ट्वीट में लिखा, ‘‘भाजपा राज में जेबकतरे बड़ी–बड़ी गाड़ियों से चलने लगे हैं,,, क्या यही है भाजपा के विकास का मॉडल!’’ इसके बाद से ही उत्तर–प्रदेश की सियासी गलियों में हलचल तेज हो गई है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब विपक्ष सरकार पर आरोप लगाते हुए नजर आई हो बल्कि ऐसे कई मौके भी आये हैं जब अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधने का एक भी मौका नहीं छोड़ा है। गौरतलब है कि बीजेपी शासित राज्य मध्य प्रदेश में पुलिस ने एक एसे गिरोह को गिरफ्तार किया है जो महंगी गाड़ियों में सवार होकर लोगों की जेब काटने की घटना को अंजाम देते थे। पकड़े गए जेबकतरों से पुलिस ने जेब काटने वाले ब्लेड, कटर और 1 लाख 17 हजार रुपये नगद बरामद किया है। जेबकतरों से पुलिस ने एक टियागो कार भी जब्त की है, जिसका उपयोग जेब काटने घटना को अंजाम देने के लिए करते थे। बड़वानी पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया है। सभी आरोपी धार जिले के हैं।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों को भी देगी मुफ्त किताबें

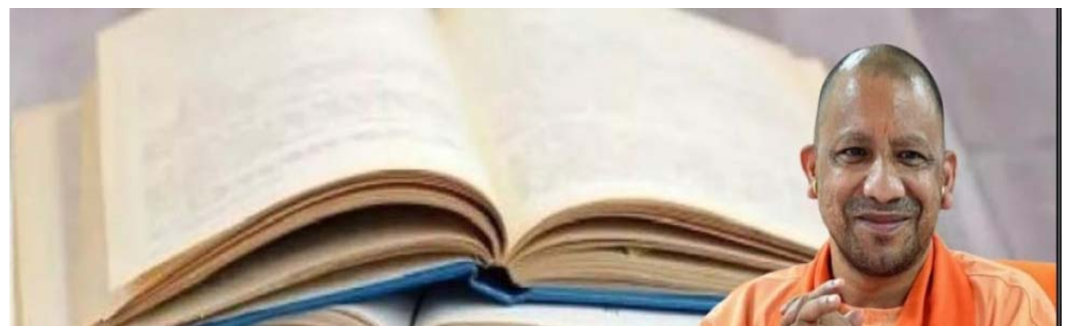

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। जिससे कई गरीब छात्रों और उनके माता–पिता को बड़ी राहत मिलेगी। दरअसल, राजकीय माध्यमिक स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों को भी अब मुफ्त पुस्तकें दी जाएंगी। क्योंकि जैसे–जैसे छात्र बड़ी कक्षा में आते हैं, वैसे–वैसे उनकी किताबों की कीमत भी बढ़ती है। अब जब उन्हें विद्यालय से मुफ्त किताबें मिलेंगी तो उन पर आर्थिक बोझ कम होगा और पढ़ने में उनकी रूची बढ़ेगी। अब राजकीय माध्यमिक स्कूलों में पढ़ रहे कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को भी निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें दी जाएंगी। अब इसका दायरा इंटरमीडिएट तक बढ़ाया जाएगा। प्रदेश में 2,428 राजकीय माध्यमिक स्कूलों में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने में कुल 19.70 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। शासन स्तर पर उच्चस्तरीय बैठक में इस पर मंथन किया गया। अभी परिषदीय स्कूलों व माध्यमिक स्कूलों में कक्षा एक से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों को ही निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें दी जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर कई राज्यों में कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को यह सुविधा दी जा रही है। इसमें गुजरात, उत्तराखंड, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक व तमिलनाडु शामिल हैं। निम्न आय वर्ग के तमाम अभिभावकों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। मगर अब आगे उन्हें परेशान नहीं होना होगा। आगे माध्यमिक स्कूलों के विद्यार्थियों को भी यह लाभ दिया जा सकता है।

प्रभु श्रीराम भव्य मंदिर में विराजेंगे तो कल्याण सिंह की आत्मा हम सभी को आशीर्वाद देगी: आदित्यनाथ

अलीगढ़(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्ध्यमंत्री योगी आदित्ध्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रभु श्रीराम जब अयोध्या में अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, तब कल्याण सिंह जी की आत्मा हम सभी को आशीर्वाद देगी। मुख्यमंत्री योगी ने यहां प्रदर्शनी मैदान में पूर्व मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि पर आयोजित हिंदू गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ”श्रद्धेय कल्याण सिंह जी ने अपनी राजगद्दी प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दी थी।” आदित्यनाथ ने कहा, ”राम मंदिर के लिए 1990 से लेकर 1992 और उसके बाद तक चले अभियान का परिणाम है कि आज प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है।” एक आधिकारिक बयान के अनुसार अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ” जनवरी 2024 में पांच सौ वर्षों का इंतजार समाप्त करके जब भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होकर हमें आशीर्वाद दे रहे होंगे तो श्रद्धेय बाबूजी की आत्मा को असीम संतुष्टि मिलेगी। उनकी (कल्ध्याण सिंह) आत्मा हमें आशीर्वाद देगी कि जिस सपने के लिए उन्होंने राजसत्ता को छोड़ा था, आज वो साकार हो गया।” योगी ने कहा कि ”कल्याण सिंह को जब भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद पर विचार व्यक्त करने का अवसर मिला तो उन्होंने हर बार इस बात को स्पष्टता के साथ कहा कि पेट को आहार, मन को प्यार, मस्तिष्क को विचार और आत्मा को संस्कार का समुच्चय ही एकात्म मानववाद है। इसी के अनुसार कल्याण सिंह जी ने अपना जीवन जिया।” मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी की आज दूसरी पुण्यतिथि को हम हिन्दू गौरव दिवस के रूप में मनाकर उन्हें स्मरण कर रहे हैं। आज विश्व उद्यमिता दिवस और नागपंचमी का पवित्र पर्व भी है, इसलिए यह दिन अद्भुत है। योगी ने विश्व उद्यमिता दिवस पर भारत के करोड़ों उद्यमियों को धन्यवाद और बधाई दी और कहा कि पूरी दुनिया में मेक इन इंडिया की धमक बढ़ी है।

पटना-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन में दो यात्रियों की मौत, छह बीमार

आगरा (एजेंसी)। वाराणसी से मथुरा की यात्रा के दौरान रविवार को कोटा–पटना एक्सप्रेस (13237) में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण दो यात्रियों की मौत हो गई और छह अन्य बीमार पड़ गए। आगरा के रेलवे अधिकारियों को यात्रियों के बिगड़ते स्वास्थ्य के संबंध में एक कॉल मिली। रविवार शाम ट्रेन के आगरा कैंट स्टेशन पहुंचने पर चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। ये यात्री गैर वातानुकूलित शयनयान कोच संख्या एस–2 में यात्रा कर रहे थे। हालाँकि उनकी मृत्यु का सटीक कारण अभी भी निर्धारित नहीं किया गया है, समूह के कई सदस्यों, जिनमें से मृत यात्री भी शामिल थे, ने अस्वस्थ महसूस करने की सूचना दी। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) प्रशस्ति श्रीवास्तव ने कहा, ” आगरा में रेलवे अधिकारियों को कोटा–पटना एक्सप्रेस (13237) में सवार यात्रियों के खराब स्वास्थ्य के बारे में सूचित किया गया था। चिंता जताने वाले व्यक्ति छत्तीसगढ़ के एक टीम लीडर के नेतृत्व वाले समूह का हिस्सा थे। यह समूह वाराणसी से पारगमन में था और मथुरा के लिए नियत था, ” आगरा पीआरओ रेलवे ने कहा, ”ट्रेन के आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर चिकित्सा टीमों को तुरंत ट्रेन में

भेजा गया। जिन यात्रियों को मतली और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो रहे थे, उन्हें तुरंत चिकित्सा के लिए ले जाया गया। लेकिन एक बुजुर्ग महिला की पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि एक पुरुष यात्री की आगरा में इलाज के दौरान जान चली गई। श्रीवास्तव ने कहा,” प्रारंभिक चिकित्सा आकलन से पता चलता है कि मौतों का संभावित कारण निर्जलीकरण या खाद्य विषाक्तता हो सकता है। हालांकि, हम अभी भी एक निश्चित निष्कर्ष पर नहीं पहुँचे हैं।” पीआरओ ने बताया ”पता चला है कि समूह में लगभग 90 सदस्य शामिल थे, जो कोटा–पटना एक्सप्रेस में सवार होकर वाराणसी से मथुरा की यात्रा कर रहे थे। इनमें से पांच यात्री गंभीर हालत में वर्तमान में रेलवे अस्पताल की देखरेख में हैं, और एक अन्य व्यक्ति का आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में इलाज चल रहा है।” श्रीवास्तव ने कहा मृतक यात्रियों की पहचान अभी भी आगरा सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा निर्धारित की जानी है।

बीओबी ने सनी देओल के विला की नीलामी रोकी, कांग्रेस ने उठाये सवाल

मुंबई (एजेंसी)। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 56 करोड़ रुपये की वसूली के लिए अभिनेता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद सनी देओल की संपत्ति की नीलामी फिलहाल रोक दी है। बीओबी ने सोमवार को कहा कि तकनीकी कारणों से प्रक्रिया वापस ले ली गई है। बैंक की ओर से रविवार को जारी सार्वजनिक नोटिस में कहा गया था कि बैंक मुंबई के टोनी जुहू इलाके में गांधीग्राम रोड पर स्थित सनी विला की संपत्ति कुर्क की है, नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य 51.43 करोड़ रुपये और 5.14 करोड़ रुपये की बयाना राशि तय की गई है। बैंक ने ऑनलाइन माध्यम से 25 अगस्त को यह नीलामी करने की घोषणा की थी। बीओबी ने सोमवार को जारी

ऐसे ही एक नोटिस में कहा कि 20 अगस्त को जारी नोटिस को ‘तकनीकी कारणों से वापस लिया जाता है।’ बैंक से संपर्क करने पर उसने नोटिस वापस लेने की कोई वजह नहीं बतायी। वहीं, कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाये हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने पूछा कि आखिर ‘तकनीकी कारणों’ का हवाला देने के लिए बैंक को किसने प्रेरित किया? रमेश ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ‘कल दोपहर को देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने भाजपा सांसद सनी देओल के जुहू स्थित आवास को ई–नीलामी के लिए रखा है, क्योंकि उन्होंने बैंक को 56 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। आज सुबह 24 घंटे से भी कम समय में देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने ‘तकनीकी कारणों’ से नीलामी नोटिस वापस ले लिया है। आखिर इन ‘तकनीकी कारणों’ का हवाला देने के लिए किसने प्रेरित किया?’

सम्पादकीय

जयराम रमेश ने पहले अमृत काल को अमरूद काल कहा, अब उन्हें जी–20 शिखर सम्मेलन से तकलीफ हो रही है

भारत को जबसे जी–20 की अध्यक्षता मिली है तबसे विपक्ष के कुछ नेता बहुत परेशान हैं। खासकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश बहुत ज्यादा तकलीफ में नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर वक्तव्य, हर उपलब्धि, हर फैसले और हर नीति पर कटाक्ष करने से नहीं चूकने वाले जयराम रमेश मोदी विरोध में कभी कभी बहुत आगे निकल जाते हैं। जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर आजादी के अमृत काल को देश ने धूमधाम से मनाया लेकिन जयराम रमेश ने अमृत काल को अमरूद काल बता दिया। भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की बात कही गयी तो जयराम रमेश ने कह दिया कि इसमें सरकार को क्या करना है, भारत अपने आप ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जायेगा।

देखा जाये तो भारत की हर कामयाबी को कम करके आंकने और भारत की हर उपलब्धि का श्रेय गांधी परिवार को देने के लिए जयराम रमेश इतने आतुर रहते हैं कि उन्होंने कांग्रेस में बड़े से बड़े नेताओं को पीछे छोड़ दिया है। अब जयराम रमेश के निशाने पर जी–20 शिखर सम्मेलन है। इस सम्मेलन को दिव्य और भव्य रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मोदी शिखर सम्मेलन की तैयारियों से जुड़े हर पहलू पर करीबी नजर रख रहे हैं ताकि कहीं कोई कमी ना रह जाये। शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने दिल्ली के प्रगति मैदान में जो भारत मंडमप तैयार करवाया है उससे भारत का ही गुणगान पूरी दुनिया में होने वाला है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले विश्व नेताओं की आवभगत के लिए जो प्रबंध किये जा रहे हैं उससे भारत के आतिथ्य सत्कार का ही गुणगान विश्व भर में होने वाला है। लेकिन जयराम रमेश इस सबसे बहुत चिंतित हैं क्योंकि उन्हें यह अच्छा नहीं लगेगा कि शानदार आयोजन के लिए विश्व नेता मोदी की पीठ थपथपाएं। जयराम रमेश को लग रहा है कि मोदी इस सबका फायदा चुनावों में ले लेंगे। जयराम रमेश को लगता है कि मोदी को चुनावों में जी–20 का फायदा मिला तो वह कहीं फिर से प्रधानमंत्री ना बन जायें। दरअसल जयराम रमेश के इस पूरे डर के पीछे कारण यह है कि उनका खुद का कॅरियर दांव पर लगा हुआ है। जयराम रमेश जानते हैं कि यदि 2024 में कांग्रेस फिर चुनाव हारी तो सबसे पहले पार्टी के नेता उन पर ही गाज गिरायेंगे इसलिए वह हर रोज कोई ना कोई मुद्दा निकाल कर लाते हैं और प्रयास करते हैं कि इससे मोदी विरोध को हवा दी जा सके।

जहां तक जी–20 के आयोजन से चुनावी लाभ होने की बात है तो जयराम रमेश को अपनी चिंता दूर करनी चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि जी–20 के विभिन्न समूहों की बैठकें देशभर में आयोजित की गयीं। जिस भी शहर में यह बैठकें हुईं वहां की राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ने मेहमानों की आवभगत में पलक–पांवड़े बिछा दिये और बैठक को हर मायने में सफल बनाया। जी–20 समूहों की बैठकों को सफल बनाने में कांग्रेस शासित राज्य भी पीछे नहीं रहे। इसलिए सवाल उठता है कि बैठक के सफल होने का फायदा वहां सत्ता में मौजूद पार्टी को मिला या देश को? कश्मीर में जी–20 पर्यटन समूह की सफल बैठक हुई। इसका फायदा कश्मीर को मिला या प्रधानमंत्री मोदी को? कश्मीर में जी–20 की सफल बैठक से विश्व को कश्मीर में सब कुछ सामान्य होने का संदेश गया या यह संदेश गया कि मोदी ने बहुत अच्छा इवेंट आयोजित किया था?

दरअसल हर उपलब्धि का श्रेय एक परिवार को देने के आदी नेता पिछले नौ सालों से यह बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि कैसे अब उपलब्धियां देश के नाम दर्ज हो जा रही हैं। हम आपको यह भी बता दें कि जब पिछले साल भारत को जी–20 की अध्यक्षता मिली थी तभी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर दिया था कि दुनिया के सबसे बड़े इवेंट मैनेजर 2023 की शिखर बैठक का उपयोग असल मुद्दों से ध्यान भटकाने और अगले लोकसभा चुनाव में फायदा उठाने के लिए करेंगे। जयराम रमेश ने नवंबर 2022 में जो ट्वीट किया था उसमें कही गयी बातों को ही दोबारा कॉपी पेस्ट करके अब नये ट्वीट में कहा है कि जी–20 का गठन 1999 में हुआ था। उन्होंने कहा कि 19 देश और यूरोपीय संघ इसके सदस्य हैं। इसके गठन से लेकर अब तक बारी–बारी से 17 देशों में जी–20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है। अब भारत का नंबर है। लेकिन यहां इसे लेकर जिस तरह का चुनावी अभियान चलाया जा रहा है और माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, वैसा किसी भी दूसरे देश में नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि वास्तव में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। रमेश ने कहा, ''हमें याद रखना चाहिए कि इसी नयी दिल्ली में 1983 में 100 से अधिक देशों का गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन और उसके बाद राष्ट्रमंडल देशों का शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो चुका है। लेकिन तब की सरकार ने चुनावी फायदे के लिए उन मौकों का इस्तेमाल नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''फिर मुझे लालकृष्ण आडवाणी की वह बात याद आ रही है। 5 अप्रैल 2014 को उन्होंने नरेन्द्र मोदी को एक शानदार इवेंट मैनेजर बताया था। जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट ही कर रहे हैं।श्बहरहाल, जयराम रमेश का यह कहना सही है कि भारत को अध्यक्षता इसलिए मिली क्योंकि इस बार हमारे देश की बारी थी। जयराम रमेश की यह बात भी सही है कि कांग्रेस के समय में भी देश में वैश्विक आयोजन हुए। लेकिन जयराम रमेश को फर्क यह देखना चाहिए कि पहले के आयोजन जहां आज तक अपने घपले और घोटालों के लिए मशहूर हैं ।

आज का राशिफल

मेष :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

शिक्षा से खौफजदा सरकार

21वीं सदी में इससे अधिक कुछ भी हास्यास्पद और दुखद एक साथ नहीं हो सकता कि किसी को यह कहने के लिये नौकरी से निकाल दिया जाये कि श्शिक्षित जनप्रतिनिधियों को वोट देना चाहिये। ओपन प्लेटफॉर्म पर कार्यरत एडटेक कंपनी अनएकेडमी ने अपने उस टीचर को बर्खास्त कर दिया है, जिसने अपनी एक क्लास के दौरान चुनावों में पढ़े–लिखे उम्मीदवारों को वोट देने की सलाह दी थी। करण सांगवान नामक इस टीचर को बर्खास्त करने की पुष्टि करते हुए अनएकेडमी के को–फाउंडर रोमन सैनी ने ट्वीट कर लिखा कि श्सांगवान ने कंपनी की आचार संहिता को तोड़ा है इसलिए उन्हें हटाना पड़ा है।श माना जाता है कि सांगवान को केन्द्र सरकार की कथित नाराजगी के बाद नौकरी से हटाया गया है। अपने वीडियो में पढ़े–लिखे नेताओं को वोट देने की अपील के बाद करण सांगवान सोशल मीडिया के सभी माध्यमों पर जबर्दस्त ट्रेंड करने लगे थे। वैसे तो शिक्षित व्यक्ति को वोट देने की अपील से किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये क्योंकि इसमें तो कोई शक ही नहीं कि कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाये तो अशिक्षित व्यक्ति के मुकाबले पढ़ा–लिखा व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में समाज के लिये उपयोगी होता है। वैसे सांगवान का मामला यह साबित करने के लिये पर्याप्त है कि वर्तमान सरकार ने एक ऐसे भारत का निर्माण कर दिया है जिसमें साक्षरता को अवगुण की तरह लिया जा रहा है जबकि दुनिया भर में उच्च शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। देश में बढ़ती विवेकहीनता, अतार्किकता और अवैज्ञानिकता का कारण इस अकेले दृष्टांत से भी समझा जा सकता है। सांगवान की बर्खास्तगी का कारण इसलिये सरकार की नाराजगी को माना जा रहा है क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर अक्सर सवाल उठते हैं। भारतीय जनता पार्टी के कुछ और भी नेता व मंत्री भी ऐसे हैं जिनकी शैक्षणिक

योग्यता पर संदेह व्यक्त किया जाता है। सांगवान की बर्खास्तगी राजनैतिक व सामाजिक हलकों में मजाक का विषय बन गया है। लोगों को लग रहा है कि सांगवान की विद्यार्थियों को दी गई सलाह इसलिये भाजपा को बुरी लग गई क्योंकि उसे लगता है कि यह उसके ही खिलाफ कहा गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने तो बाकायदे प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर कहा कि श्आखिर यह बात (सांगवान की) सिर्फ भाजपा को ही क्यों बुरी लगी जबकि अन्य किसी को भी इससे आपत्ति नहीं हुई। आपत्ति का कोई कारण भी नहीं बनता क्योंकि स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र का आधार ही गुणवत्तापूर्ण जनप्रतिनिधियों का चुनाव है। कार्टून तो इस आशय के भी तैर रहे हैं कि आज पढ़े–लिखों को चुनने की बात हो रही है। कल को यदि ईमानदार लोगों को चुनने की मांग होने लगे तो मुश्किल हो जायेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सांगवान की बात को जायज बतलाया है। इसे कोई गलत कह भी नहीं सकता। सम्भवतरू इस सरकार के द्वारा जिस प्रकार से विश्वविद्यालयों ही नहीं समस्त तरह की शिक्षाओं, विवेक और ज्ञान के खिलाफ वातावरण बनाया गया है यह उसी का परिणाम कहा जा सकता है। पिछले कुछ समय से बताया जा रहा है कि पढ़ना–लिखना व्यर्थ है।

समाज का काम इसके बिना भी बखूबी चल सकता है। ऐसी अवधारणा विकसित करने का फायदा यह होता है कि सरकार शिक्षा के विकास पर मेहनत और खर्च करने से बच जाती है। शिक्षा को एक अनुपयोगी काम बतला देने से सरकार और गैर अलोकतांत्रिक व निरंकुश राजनैतिक दलों–नेताओं को कई लाभ होते हैं। सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि अशिक्षित लोगों की भीड़ निर्मित कर उन्हें मनचाही दिशा में हांका जा सकता है और किसी भी तरह के विचारों से उन्हें बरगलाया जा सकता है। आज सड़कों पर हिंसा व नफरत से भरे नौजवानों के जो हुजूम देखे जा रहे हैं वे शिक्षा से विरक्त जनसमुदाय ही हैं। यह दीगर बात है कि शिक्षा को व्यर्थ बतलाने वाले नेता स्वयं अपने बच्चों को खूब पढ़ाने–लिखाने में रुचि रखते हैं। उनके बच्चे देश–विदेश के अच्छे संस्थानों से पढ़–लिखाकर निकलते हैं। जनप्रतिनिधियों का पढ़ा–लिखा होना बेमतलब साबित करने वाले माहौल में ही योग्य नेताओं (जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह तक) के बारे में यह कहना लोगों को प्रभावित करता है कि उच्च शिक्षण का कोई फायदा नहीं है। श्हार्वर्ड बनाम हार्ड वर्कश का यह सिद्धांत दिया जाता है कि देश का भला उच्च शिक्षा से नहीं वरन कड़ी मेहनत से होगा। यह अलग बात है कि गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के लिये विख्यात संस्थानों में दाखिला लेना और उनमें विद्यार्जन करना किसी भी तरह से कम मेहनत का काम नहीं है। दूसरी तरफ, आज के वातावरण में अकेली मेहनत काम की नहीं जब तक कि व्यक्ति कुशाग्र बुद्धि व शिक्षित न हो।

सांगवान से मोदी सरकार की नाराजगी का कारण यही हो सकता है कि उन्हीं के कार्यकाल के दौरान भारतीय समाज में ज्ञान का तिरस्कार और उसके प्रति घृणा फैलाने का काम हुआ है। देश के अच्छे विश्वविद्यालयों पर बमबारी करने की सलाह देना, वहां के स्वतंत्र चेता व सरकार विरोधी छात्रों को टुकड़े–टुकड़े गैंग बतलाकर उन्हें देश विरोधियों की शरणस्थली बतलाना आदि इसी वैचारिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अज्ञानता और विवेकहीनता पर गर्व की भावना शिक्षा के प्रति गहन अरुचि का परिणाम है जो थाली–ताली पीटने को महामारी उन्मूलन का उपाय मानने और देश की आजादी को 99 वर्षों की लीज पर बतलाने में संकोच नहीं करती। बाकी, विश्व गुरु बनने की चाहत तो अपनी जगह पर बनी हुई है ही।

सकारात्मक सोच और नवीन संकल्प जीवन की सफलता के सार्थक आयाम

संजीव ठाकुर

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैंस निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो होंस मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैस निराशा से बढ़कर कोई अवरोधा नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंस मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी हैसमूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

चीन के विरुद्ध त्रिशक्ति

आदित्य नारायण

अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया अब एक नए सुरक्षा संकल्प पर आगे बढ़ चुके हैं। इस त्रिकोण के अस्तित्व में आने के बाद उत्तर कोरिया से लेकर चीन तक की चुनौती बढ़ गई है। रविवार के सम्पादकीय 'घब्रिक्स और भारत' में मैंने चीन के इरादों की चर्चा की थी कि वह किस तरह से ब्रिक्स का विस्तार कर एक ऐसा शक्तिशाली समूह बनाना चाहता है ताकि अमेरिका विरोधी दुष्प्रचार को वह नई धार दे सके। घब्रिक्स सम्मेलन से पहले ही अमेरिका ने उसके सामने नया संकटघ्खड़ा कर दिया है। जंगली स्थल कैम्प डेविड लम्बे समय से नई शुरूआत और नई सम्भावनाओं का प्रतीक रहा है। कैम्प डेविड में ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल और जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने शिखर सम्मेलन आयोजित किया। तीनों देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते में कहा गया है कि अगर इनमें से किसी भी देशघ्पर हमला किया जाता है तो इसे सभी पर हमला माना जाएगा। तीनों देश उत्तर कोरिया के परमाणु हमले के खतरे और प्रशांत महासागर में चीन के दखल के कारण बढ़ती चिंताओं के बीच अपनी सुरक्षा और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के इच्छुक हैं। तीनों देश सलाह–मशविरा करने, सूचना साझा करने और खतरा या संकट की स्थिति में एक–दूसरे का सहयोग करने पर सहमत हुए हैं।

अमेरिका के 80 हजार से अधिक सैनिक जापान और दक्षिण कोरिया में तैनात हैं। अमेरिका और चीन में ताइवान और अन्य मुद्दों पर तनातनी को सारी दुनिया जानती है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन चीन के राष्ट्रपति शी जिन घ्पिंग को तानाशाह करार दे चुके हैं और अब वह चीन को घेरने के लिए तमाम देशों के साथ अलग–अलग मंच बनाने में लगे हुए हैं। अगले वर्ष बाइडेन को भी राष्ट्रपति चुनाव का सामना करना है। इसघ्लिए वह चीन के प्रति कड़ा रुख अपनाकर लोकप्रियता बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि तीनों देशों का सुरक्षा संकट कहीं न कहीं एक समान है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसी दोघ्एशियाई शक्तियों के बीच पीढ़ियों से चली आ रही दुश्मनी को खत्म कर तेजी से मुखर हो रहे चीन के सामने त्रिशक्ति की चुनौती पेश की जा सकेगी। यह बाइडेन की बहुत बड़ी कामयाबी है कि वह जापान और दक्षिण कोरिया के बीच संबंधों में सुधार ला रहे हैं। कोरियाई महाद्वीप पर जापान के 35 साल के कब्जे से दोनों देशों में ऐतिहासिक दुश्मनी चली आ रही थी। बाइडेन दोनों देशों को यह समझाने में सफल रहे हैं कि उन्हें असली खतरा एक–दूसरे से नहीं बल्कि चीन से है। अमेरिका हिन्द प्रशांत क्षेत्र और दक्षिणी चीन सागर में चीन के बढ़ते हस्ताक्षेप से पहले ही परेशान है। चीन कंबोडिया में एक नौसैनिक अड्डा बना रहा है। द वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, चीन के सैनिकों की उपस्थिति कंबोडिया के रीम नेवल बेस के उत्तर में थाईलैंड की खाड़ी पर रहेगी। यह माना जा रहा है कि चीन ने इंडो–पैसिफिक क्षेत्र पर अपनी स्थित को मजबूत बनाने के लिए यह चौकी बनाई है। इस क्षेत्र में चीन का यह दूसरा सैन्य अड्डा है। इसके पहले चीन ने पूर्वी अफ्रीकी देश जिबूती में नौसैनिक अड्डा बनाया था। चीन के इस कदम से इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में चीन की सैन्य शक्ति का विस्तार होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र पर चीन की नजर क्यों है। दक्षिणी चीन सागर और प्रशांत महासागर के रास्ते लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार होता है। भारत, अमेरिका, चीन, कोरिया और जापान का समग्र व्यापार इन्हीं क्षेत्रों से होता है। भारत के व्यापार का भी लगभग 50 फीसदी हिस्सा हिन्द प्रशांत क्षेत्र में केन्द्रित है। अमेरिका और भारत का दृष्टिकोण एक समान है कि समुद्र और वायु क्षेत्र के साझा इस्तेमाल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय कानून के तहत सबकी समान पहुंच होनी चाहिए। इसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की स्वतंत्रता होनी चाहिए। कम्बोडिया में बना चीन का यह नया सैन्य ठिकाना भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह से महज 1200 किलोमीटर की दूरी पर है। चीन की नौसेना या युद्ध के जहाज यहां से आसानी से बंगाल की खाड़ी में पहुंच सकते हैं। चीन समुद्री रास्ते से म्यांमार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने में जुटा है। इस सैन्य ठिकाने की मदद से चीन भारत और अमेरिका दोनों की सेनाओं की हरकतों पर खुफिया तौर पर निगरानी कर सकेगा। चीन लगातार पूरे विश्व में अपने सैन्य ठिकानों को विस्तारित करने की कोशिश में लगा हुआ है। चीन इसके लिए आर्थिक रूप से कमजोर देशों को फंडिंग करने के बाद उनके यहां घुसपैठ करता है फिर धीरे–धीरे वहां अपने सैन्य ठिकानों के निर्माण में लग जाता है। चीन पर अंकुश लगाने के लिए अमेरिका की पहल बेहतर हो सकती है और भारत भी इस त्रिमूर्ति का समर्थक हो सकता है। तीनों देश रणनीतिक सहयोग करेंगे तो निश्चित रूप से उत्तर कोरिया के मुकाबले यह समूह काफी मजबूत होगा। इस मेल–मिलाप की सराहना तभी की जानी चाहिए जब ड्रैगन के कदमों पर शिकंजा कसा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राम किशन लगातार सातवीं बार अध्यक्ष और मयंक जिला मंत्री निर्वाचित

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ का द्वि–वार्षिक चुनाव रविवार को बाराबंकी से आए चुनाव अधिकारी राजू धानुक व धर्मराज यादव की देख–रेख तथा चुनाव प्रभारी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत)चिनहट कौशल कुमार, प्रदेश महामंत्री बसंत लाल ,व राजू भारती प्रदेश कार्यालय प्रभारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मतगणना के उपरान्त रामकिशन सातवी बार जिला अध्यक्ष चुने गए। मंत्री पद पर मयंक निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी ने बताया कि विकास भवन स्थित चिनहट ब्लाक सभागार में कुल 05 पद अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष,संगठन मंत्री,संप्रेक्षक पद पर सम्पन्न कराया गया। जिसमें कुल 540 कर्मचारियों द्वारा अपनें मतपत्र का प्रयोग कर संगठन के पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिला अध्यक्ष पद पर रामकिशन को कुल 285 मत प्राप्त हुए। जिला मंत्री पद पर मयंक को 301 वोट मिले। कोषाध्यक्ष पद प्रत्याशी धर्म प्रकाश कुशवाहा को 302 मत मिले। संगठन मंत्री प्रत्याशी मनोज भारती को 378 मत और संप्रेक्षक पद पर श्री भगवान ने 298 मत प्राप्त किए। इस प्रकार अध्यक्ष पद पर रामकिशन ने अपनें निकटतम प्रतिद्वंद्वी शंकर को 101 मतों से शिकस्त दी। जिला मंत्री मयंक ने चंद्रभान को 118 मतों से परास्त किया। कोषाध्यक्ष धर्मप्रकाश कुशवाहा ने 155 मतों से जगदीश को शिकस्त दी। संगठन मंत्री पद पर मनोज कुमार भारती ने अपने प्रतिद्वंद्वी के रूप में मनोज कुमार को 244 मतों से शिकस्त दी। संप्रेक्षक के रूप में श्री भगवान ने धर्मचंद को 75 मतों से पराजित किया। पदाधिकारियों का शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न हुआ।

उच्चारण के साथ विधान सम्पन्न, आचार्य श्री कल काकोरी में

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी में चातुर्मास कर रहे आचार्य श्री विशद सागर महाराज द्वारा सोमवार को चौक जैन मंदिर में लोगों के कल्याणार्थ के लिए श्री 1008 नेमीनाथ भगवान का विधान सम्पन्न हुआ। इस मौके पर चातुर्मास कमेटी के मुख्य संयोजक संजीव जैन, अशोक जैन, अमित जैन, बंटी जैन मौजूद रहे। मुनिश्री विशाल सागर प्रतिष्ठाचार्य कमलेश शास्त्री के मंत्रो के साथ विधान हुआ। आचार्य श्री 108 विशद सागर महाराज जी के पावन सानिध्य में भगवान पारसनाथ धाम अमेठिया सलेमपुर काकोरी में 23 अगस्त को दोपहर 12.00 बजे से भव्य सम्मेद शिखर की रचना की जायेगी। संयोजक विशाल जैन ने बताया कि इस मौके पर 123 श्रावक जन भगवान पारसनाथ को मोक्ष कल्याण का लड्डू चढ़ाएंगे। इस अवसर पर सम्मेद शिखर विधान का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर संपूर्ण उत्तर प्रदेश से भक्तजन कार्यक्रम में भाग लेंगे।

बीजेपी को जूता फेंकने की क्या जरूरत पड़ रही है? जूता कांड को लेकर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी में स्याही कांड के बाद हुए जूता कांड को लेकर अखिलेश यादव ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि शबीजेपी जीरो टॉलरेंस की बात करती है तो जूता फेंकने की क्या

जरूरत पड़ रही है। बीजेपी क्या करेगी चुनाव से पहले किसको पता, कुछ भी हो सकता है।यह सरकार एक कंपनी को हायर करके अपने झूठ को सच बनाना चाहती है। वो नंबर 1 सिर्फ इसलिए हैं क्योंकि वो मीडिया को नंबर 1 दे रहे हैं। आपको बता दें कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर लखनऊ (स्नबादवू) में युवक ने जूता फेंक दिया। हालांकि स्वामी प्रसाद बाल–बाल बच गए। जूता पकड़ने वाले युवक को भीड़ ने पकड़ जमकर पीटा है। इसके बाद जूता फेंकने वाले शख्ब्स को भीड़ ने पीट–पीटकर अधमरा कर दिया। जूता फेंकने वाले शख्ब्स का नाम आकाश सैनी बताया जा रहा है। पकड़े जाने के बाद उसने कहा कि वह पूजा–पाठ करने वाला व्यक्ति है। मिली जानकारी के अनुसार ने स्ध्वामी प्रसाद मौर्य एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। वहीं पर अचानक काले कपड़ों में सामने आए आकाश सैनी नाम के शख्ब्स ने स्ध्वामी प्रसाद मौर्य ने जूता उछाल दिया। हालांकि स्ध्वामी प्रसाद और उनके आसपास खड़े सुरक्षा कर्मियों ने सिर नीचे कर लिया और बाल–बाल बच गए।

सपा के ओबीसी महासम्मेलन में स्वामी प्रसाद मौर्य पर फेंका गया जूता, वकील की ड्रेस में था हमलावर युवक

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग के सम्मेलन के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंका गया। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ओबीसी महासम्मेलन में शामिल होने के लिए स्वामी प्रसाद मौर्य पहुंचे थे। इस दौरान अचानक जूता फेंकने की घटना से कार्यकर्ता नाराज हो गए। वकील की ड्रेस में पहुंचे युवक को उन्होंने पकड़ लिया और पीट–पीटकर उसको अधमरा कर दिया। आपको बता दें कि आरोपी

युवक को कार्यकर्ताओं से बचाकर पुलिस ने उसको अपनी कस्टडी में लिया। आरोपी युवक की पहचान आकाश सैनी के नाम से बताई जा रही है। आरोपी युवक हकीकत में वकील है या सिर्फ ड्रेस पहने था, यह बात पूछताछ के बाद साफ हो पाएगी। हालांकि उसने इतना बयान जरूर दिया कि हम पूजा–पाठ करने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पिछड़ा वर्ग के महापुरुषों पर चर्चा के लिए महासम्मेलन रखा गया था। यहां पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी पहुंचने वाले थे। स्वामी प्रसाद मौर्य महासम्मेलन में पहुंचे थे। यहां ओबीसी समाज के महापुरुषों के राजनीतिक परिवेश पर चर्चा होनी थी। सपा ने सम्मेलन में मौर्य, कुशवाहा, शाक्य, सैनी और बिंद समाज के पूर्व मंत्रियों, विधायक, पूर्व विधायकों, पूर्व सांसदों और पूर्व राज्यसभा सांसदों को बुलाया गया था। आरोप है कि इसी दौरान वकील की ड्रेस में आए एक युवक ने स्वामी प्रसाद पर जूता फेंका। युवक की इस हरकत से नाराज होकर कार्यकर्ताओं ने उसको पकड़ लिया और स्वामी प्रसाद मौर्य की सुरक्षा में तैनात गार्ड और कार्यकर्ताओं ने युवक की जमकर पिटाई कर डाली।

उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिऐशन में लोकतंत्र की बहाली के लिए कर्मचारियों ने दिया धरना

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिऐशन के द्विवार्षिक चुनाव में सभी सदस्यों को मताधिकार का प्रयोग एवं चुनाव लडने पर पाबन्दी के विरोध में कर्मचारियों ने भारी संख्या में लोक निर्माण विभाग के विभागाध्यक्ष कार्यालय के सामने धरना दिया। धरनारत कर्मचारियों की मुख्य मांगे, उ0प्र0 (सेवा संघो की मान्यता) नियमावली–1979 का पालन किया जाये। संघ के सभी सदस्यों को प्रान्तीय चुनाव में मत देने का अधिकार हो। संघ का कोई भी सदस्य किसी भी प्रान्तीय पद पर चुनाव लड़ सके। चुनाव मुख्यालय पर कराया जाय। शासन की गरिमा के विपरीत अविधिक रूप से जारी विशेष अवकाश को निरस्त किया जाये। किसी भी पद पर चुनाव लडने हेतु किसी पदाधिकारी को चुनाव लडने से पहले इस्तीफा ना देना हो। चुनाव विभाग की देख रेख में (विभागीय पर्यवेक्षक की निगरानी में) कराया जाये। प्रान्तीय अध्यक्ष ध्महामंत्री द्वारा द्वेषपूर्ण भावना से किये गये अवैध निष्कासन वापस लिए जायें सबको चुनाव लड़ने का अधिकार सबको हो। धरना स्थल पर सुबह से ही भारी संख्या में लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी इकठठा होकर नारे बाजी की।'' विभागाध्यक्ष महोदय न्याय दो'',चुनाव एक मत एक वोट पद्धति से हो'' ''डेलीगेट व्यवस्था समाप्त हो''। विभागाध्यक्ष महोदय अरविंद कुमार जैन ने दो प्रतिनिधियों को बुलाकर धरनारत कर्मचारियों का मत सुना और आश्वस्त किया कि अगली तिथि तक के लिए चुनाव स्थगित करते हुए सम्पूर्ण प्रकरण उत्तर प्रदेश शासन को प्रेशित किया जाएगा। चुनाव स्थगन की सूचना प्रमुख अभियंता परिकल्प एवं नियोजन अशोक कुमार अग्रवाल ने धरना दे रहे कर्मचारियों के बीच आकर विभाग के निर्णय से सभी को अवगत कराया और इस प्रकार देवेन्द्र कुमार जिला अध्यक्ष ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। धरना में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रांत अध्यक्ष कमल अग्रवाल, मिनिस्टीरियल फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष कनोजिया विनोद बुद्धि राम ,देवेन्द्र कुमार यादव, अध्यक्ष आशीष खरे कार्यकारी अध्यक्ष मंसूर अली सचिव, शैलेन्द्र यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, निधि, उपाध्यक्ष,अफीफ सिदध्दीकी, विनोद चौधरी, गौरव सिंह, वर्षा रावत, अजय यादव, सुधीर भारतीय, पुष्पा चौधरी, धीरज सिंह, सुनीत पटेल दिनेश विश्वकर्मा ,सुधीर भारतीय, मनप्रीत कौर, ज्ञानेन्द्र कुमार, विरेन्द्र कुमार, सत्य प्रकाश, राम केवल,मोहसिन खान आदि लगभग 200 कर्मचारी शामिल रहे।

2024 की जीत के लिए बीजेपी का सीक्रेट प्लान, 1 लाख 72 हजार बूथों पर शुरू किया कार्यक्रम, कार्यकर्ताओं की दूर करेगी नाराजगी

लखनऊ(संवाददाता)। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने यूपी में मिशन 80 का लक्ष्य रखा है। पार्टी को यह पता है कि बिना कार्यकर्ताओं के सहयोग और उनके परिश्रम के यह लक्ष्य पाना आसान नहीं है। इसीलिए पार्टी चुनाव से ठीक पहले कार्यकर्ताओं को मोटिवेट करने में जुट गई है। संगठन की सबसे निचली इकाई माने जाने वाले बूथ पर पार्टी अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। इसीलिए यूपी के 1 लाख 72 हजार से अधिक बूथों के लिए बीजेपी ने अपना सीक्रेट प्लान तैयार किया है। जिसके जरिए 2024 में तीसरी बार सत्ता में वापसी की तैयारी कर रही है। बीजेपी के सांगठनिक ढांचे में सबसे ऊपर राष्ट्रीय अध्यक्ष होते हैं। फिर प्रदेश अध्यक्ष आते हैं और उसके बाद क्षेत्रीय अध्यक्ष। फिर जिला अध्यक्ष, उसके बाद मंडल अध्यक्ष और तब बूथ अध्यक्ष आते हैं। यानी बूथ अध्यक्ष पार्टी की सबसे निचली इकाई हैं। लेकिन, पार्टी में इनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि बीजेपी का यह फॉर्मूला रहा है कि अगर बूथ जीता, तो चुनाव जीता। इसी फॉर्मूले के सहारे पार्टी ने 2014 से लेकर 2022 तक लगातार सत्ता हासिल की। लेकिन, कई बार ये भी कहा जाता है कि पार्टी के कार्यकर्ता नाराज हैं। उनकी सुनी नहीं जा रही। अब इसी नाराजगी

को दूर करने के लिए पार्टी ने अपना यह सीक्रेट अभियान शुरू किया है। इसे नाम दिया गया है बूथ अध्यक्ष संवाद कार्यक्रम। इसके जरिए बड़े पदाधिकारियों को हर दिन दो–दो बूथ अध्यक्षों से बात करनी होती है। बड़े पदाधिकारी दो बूथ अध्यक्षों को हर दिन सुबह फोन करते हैं। ये पदाधिकारी चाहे प्रदेश अध्यक्ष हों, महामंत्री संगठन हों, प्रदेश महामंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष हों या जिला अध्यक्ष हों, सभी को बात करनी होती है। फोन पर उनका हाल–चाल लेते हैं। उनके परिवार के बारे में पूछते हैं। उन्हें कोई समस्या या परेशानी तो नहीं, इस विषय में उनसे बात करते हैं। उनका फीडबैक भी लेते हैं। जाहिर सी बात है कि जब पार्टी का बड़ा पदाधिकारी किसी बूथ अध्यक्ष से डायरेक्ट कनेक्ट करता है, तो कहीं अगर कोई नाराजगी पार्टी को लेकर होती है, तो वह भी दूर हो जाती है। बूथ अध्यक्ष दोगुने उत्साह के साथ पार्टी के काम में जुट जाता है। इसके अलावा उसका महत्वपूर्ण फीडबैक भी 2024 के लिहाज से पार्टी के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है। साथ ही इस बात का भी पता पदाधिकारी को चल जाता है कि बूथ अध्यक्ष अपने बूथ पर सक्रिय है भी या नहीं है। यानी एक तरह से कहीं ना कहीं बूथ का सत्यापन भी इसके जरिए हो जाता है। किस पदाधिकारी को किस बूथ अध्यक्ष से बात करनी है, ये वो खुद तय नहीं करते हैं। इसके लिए बाकायदा पार्टी ने एक पूरी व्यवस्था तैयार की है। जिन दो बूथ अध्यक्षों से हर दिन पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को बात करनी होती हैं। उनके फोन नंबर राष्ट्रीय टीम हर दिन सुबह एसएमएस से उस पदाधिकारी को भेजती है। फिर पार्टी के वह पदाधिकारी उन बूथ अध्यक्षों को फोन करके उनका हालचाल जानते हैं। उनका फीडबैक भी लेते हैं। इसके बाद पार्टी के पदाधिकारी अपनी रिपोर्ट केंद्र को भी भेजते हैं। इस बूथ अध्यक्ष संवाद कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, पार्टी के महामंत्री संगठन, इसके अलावा उत्तर प्रदेश में बीजेपी के जो 7 प्रदेश महामंत्री हैं। 18 प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। 16 प्रदेश मंत्री हैं। 6 जो क्षेत्रीय अध्यक्ष हैं। 98 जिला और महानगर अध्यक्ष हैं। 7 मोर्चों के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा 8 राष्ट्रीय पदाधिकारी, जो उत्तर प्रदेश से आते हैं। उन सभी को इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ओमप्रकाश राजभर के बिगड़े बोले, अहीर को बुद्धि 12 बजे के बाद आती है, सफाई में कहा कि पूर्वांचल में लोग ऐसा कहते हैं

लखनऊ(संवाददाता)। अहीर को बुद्धि 12 बजे के बाद आती है। ओम प्रकाश राजभर ने अपने इस बयान को जातीय टिप्पणी मानने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि पूर्वांचल में यह कहावत है। लखनऊ चारबाग जिला रविंद्रालय ऑडिटोरियम में कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान बातचीत करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने किसी भी तरह की जातीय टिप्पणी से इंकार किया। दरअसल, एक निजी चौनल से बात करते हुए ओम प्रकाश राजभन ने यादव और अखिलेश को टारगेट करते हुए बयान जारी किया था। उन्होंने विधानसभा चुनाव 2022 के प्रचार के दौरान उत्तराखंडी और शिखंडी जैसे बयान पर भी अपनी बात रखी। उनसे पूछा गया कि सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर आप ऐसी बात करते थे। अब उनकी ही तारीफ करते हुवे नहीं थकते। इसपर उन्होंने कहा कि वह सब चुनावी जुमला था। चुनाव खत्म होने के बाद उसकी कोई अहमियत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि अब नए चुनाव में नया जुमला आएगा। अखिलेश ने इससे पहले बुलडोजर को बयान दिया था। फतेहपुर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 18 अगस्त को प्रदेश सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था, "जब समाजवादी लोग सरकार में आएंगे तो वही बुलडोजर होगा, पर वो गरीब के घर पर नहीं चलेगा। बल्कि 8 मंजिला और 10 मंजिला इमारत पर चलेगा। उसी के बाद एक इंटरव्यू के दौरान ओपी राजभर ने कहा, लोग कहते हैं,अहीर को 12.00 बजे बुद्धि आती है। ये लोग क्या बात करेंगे। ये लूट लेंगे राजभर का हिस्सा। ये लूट लेंगे पाल का, चौहान का, प्रजापति का हिस्सा। ये दूसरे की क्या बुद्धि खोलेंगे, पहले अपनी बुद्धि खोल लें। बात हम नहीं कह रहे लोग कहते हैं। ओपी राजभर ने आगे सपा पर आरोप लगाते हुए कहा, सपा का पिछड़ा

सम्मेलन लोगों को गुमराह करने के लिए हो रहा है। उन्होने कहा, जब ये सरकार में थे तब तो पिछड़ों का ख्याल नहीं आया और अब उनकी बात कर रहे हैं। अखिलेश ने आगे कहा था, "पुलिसवालों को ऑर्डर दिया जा रहा है कि दो मंजिल वाले घर गिराओ। गरीब के घर गिराओ, लेकिन जब हमारी सरकार आएगी तो यही बुलडोजर होगा। मगर इमारत एक या दो मंजिला नहीं होगी, बल्कि 8 मंजिला, 10 मंजिला होगी। यह बुलडोजर वाली सरकार सबसे बड़ी भू माफिया सरकार है।

दबंगों ने युवक पर चाकुओं से किया हमला, अस्पताल में मौत

बांदा(संवाददाता)। जिले में एक व्यक्ति की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। वहीं घटना की जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्या करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य व्यक्तियों की तलाश में पुलिस जुट गई है।

आपको बता दें कि मामला देहात कोतवाली क्षेत्र के जौरही गांव से सामने आया है। जहां पर षात में यहां क्यों खड़े होष कहने पर गांव के कुछ लोगों ने एक व्यक्ति प्रेमचंद्र पुत्र राजेंद्र की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। वहीं घटना के मुताबिक व्यक्ति अपनी पड़ोसी घर के सामने खड़ा हुआ था तभी कुछ लोगों के साथ आपसी कहासुनी हो गई। जिसको लेकर चार लोगों ने चाकू से व्यक्ति के शरीर पर हमला कर दिया। इसके बाद व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जब परिजनों को जानकारी हुई तो 108 एंबुलेंस को सूचना देकर गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टर ने व्यक्ति को देख मृत घोषित कर दिया। वहीं पूरे मामले की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य व्यक्तियों की तलाश में जुट गई है। वहीं डॉक्टर अभिनव ने बताया कि एक युवक को लाया गया था जिसके ऊपर चाकुओं से हमला हुआ था। लेकिन परीक्षण के दौरान उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

यूपी को मिलेंगे 26 आईपीएस,डीपीसी में 1993-1994 बैच के पीपीएस अफसरों के नाम पर लगी मुहर

लखनऊ(संवाददाता)। लंबे इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश प्रान्तीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1993–1994 बैच के 26 अधिकारियों के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अफसर बनने का रास्ता साफ हो गया है। लखनऊ के लोकभवन में सोमवार को हुई डीपीसी में इनके नामों पर मुहर लगी। जिसमें मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, पुलिस महानिदेशक (कार्यवाहक) विजय कुमार और केंद्रीय गृह मंत्रालय से आए अफसर शामिल हुए। वहीं, प्रान्तीय सिविल सेवा के 22 पीसीएस अधिकारी आज प्रमोशन पाकर आईएएस बनने जा रहे हैं। लोकभवन में 2004 और 2006 बैच के पीसीएस अफसरों की डीपीसी हो रही है। राज्य कोटे से 22 आईएएस के पद खाली हैं। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति देवे चतुर्वेदी, यूपीएससी और डीओपीटी के अधिकारी शामिल होंगे। कुल 28 पदों के लिए डीपीसी हुई, लेकिन दो अफसरों का लिफाफा बंद होने की वजह से सिर्फ 26 पदों के लिए ही डीपीसी में चर्चा हो सकी। कुल 26 पदों में 1993 बैच के 16 अफसर और 1994 बैच के 10 अफसर शामिल हैं। डीपीसी में सभी अफसरों का सर्विस रिकार्ड देखने के बाद उनकी फाइल पर मुहर लगी। अब फाइल केन्द्रीय गृह मंत्रालय भेजी जाएगी। अनुमोदन के बाद वहां से राज्य के गृह विभाग में भेजी जाएगी। फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साइन के बाद पुलिस महानिदेशक के आफिस में फाइल जाएगी। इस

पूरी प्रक्रिया में लगभग एक महीने का समय लग जाता है। 1989 बैच के अमित मिश्रा और 1993 बैच के संजय यादव का लिफाफा बंद है। उन अफसरों का लिफाफा बंद होता है जिनके ऊपर कोई विभागीय जांच चल रही हो या किसी मामले में चार्जशीट फाइल हो। दीर्घदंड हो, या विजिलेंस की जांच अगर किसी अफसर के खिलाफ चल रही हो तब भी लिफाफा बंद हो जाता है। इस स्थिति में उनका नाम प्रमोशन के लिए विचार विमर्श में नहीं रखा जाता है। हालांकि अमित मिश्रा 31 जुलाई 2023 को रिटायर भी हो चुके हैं। इसलिए एक रिक्त सीट को अगली डीपीसी में जोड़ दिया जाएगा। अमित मिश्रा की एंटी करप्शन यूनिट में तैनाती के दौरान एक डाक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। मगर उसने रिश्वत की रकम चबाने की कोशिश की। नोट गले में फंसने की वजह से उसकी मौत हो गई थी। इस मामले की जांच अभी चल रही है। संजय यादव की बलिया में तैनाती के दौरान उनकी गाड़ी को राजस्थान की एंटी करप्शन यूनिट ने चित्तौड़गढ़ से अफीम की तस्करी में पकड़ा था। गाड़ी में से 16 लाख रूपए भी मिठाई के डिब्बों में बरामद हुए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2021 में उनको निलंबित कर दिया था। आईएएस या आईपीएस ग्रेड में प्रमोशन के लिए अधिकतम उम्र 56 वर्ष है। पीपीएस से आईपीएस बनने के फायदे के अलावा नुकसान भी है। क्योंकि सैलरी इंक्रीमेंट रुक जाता है। पूरे बैच का जब प्रमोशन होगा तभी सैलरी भी बढ़ती है। जबकि पीपीएस में सर्विस पीरियड के हिसाब से सैलरी में इंक्रीमेंट मिलता जाता है। हालांकि पीपीएस अफसरों में हमेशा इस बात की नाराजगी रहती है कि पीसीएस के मुकाबले उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है। गृह विभाग और पुलिस महानिदेशक कार्यालय की उदासीनता के चलते 28–30 साल तक उन्हें आईपीएस बनने के लिए इंतजार करना पड़ता है। वहीं पीसीएस संवर्ग वाले 15–16 साल की सर्विस के बाद ही आईएएस बन जाते हैं।

जूनियर असिस्टेंट मेन एग्जाम के एडमिट कार्ड जारी, 1262 पदों पर भर्ती के लिए 27 अगस्त को होगी परीक्षा

लखनऊ(संवाददाता)। यूपीएसएसएससी यानी उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने सोमवार को कनिष्ठ सहायक मुख्य परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए। आयोग की ऑफिसियल वेबसाइट पर एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। 27 अगस्त को लखनऊ और आगरा में 1 हजार 262 पदों पर भर्ती के लिए मुख्य परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को आयोग के परीक्षा नियंत्रक की तरफ से जारी नोटिस में कहा गया कि यूपीएसएसएससी की वेबसाइट से अभ्यर्थी एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। रविवार को

सुबह 10 से 12 के बीच परीक्षा लखनऊ और आगरा के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मुख्य परीक्षा की परीक्षा शुल्क जमा करने के बाद ही अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे।

स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम में व्यापक सामुदायिक भागीदारी

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जे.एन. मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह से संबंधित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी की। विभागाध्यक्ष प्रो सायरा मेहनाज ने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी, जवां), शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, सीएचसी और पीएचसी सहित सार्वजनिक स्थानों पर कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबूही अफजाल ने यूएचटीसी में स्वास्थ्य वार्ता दी और इस बात पर जोर दिया कि स्तनपान समाज के लिए एक वरदान है, जिसमें मां के साथ–साथ बच्चे के लिए भी कई स्वास्थ्य लाभ हैं। जूनियर रेजिडेंट डॉ. असमा अशरफ नेरूकामकाजी माताओं में स्तनपान को सक्षम बनाना' विषय पर बात की, जिसमें उन्होंने स्तनपान की स्थिति, लैचिंग और पर्याप्त दूध पिलाने के संकेतों के बारे में बताया। सीनियर रेजिडेंट डॉ. सलीम मोहम्मद खान ने एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया, जिसमें यूएचटीसी में तैनात जूनियर रेजिडेंट्स और प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इसमें अधिकतर प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं समेत लगभग 40 लाभार्थियों ने भाग लिया। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जमालपुर में एक स्वास्थ्य जागरूकता और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जबकि यूएचटीसी में 'स्तनपान से संबंधित महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियां और बाधाएं' विषय पर एक समूह चर्चा आयोजित की गई। यूएचटीसी में पिताओं के बीच एक समूह चर्चा आयोजित की गई। चर्चा का विषय था 'स्तनपान के समर्थन में पुरुष भागीदारों की भूमिका' और वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. सलीम मोहम्मद खान इसके मॉडरेटर थे। इसके बाद डॉ. इसना खान द्वारा स्वास्थ्य पर चर्चा प्रस्तुत की गयी।

आरएचटीसी में, पास के आंगनवाड़ी केंद्र में वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. शिवांगी कुमारी द्वारा एक स्वास्थ्य वार्ता दी गई, जबकि 2018 बैच के प्रशिक्षुओं द्वारा ग्राम सुमेरा में महिला शिक्षा, स्तनपान, संस्थागत प्रसव और परिवार के सदस्यों के बीच अच्छे स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार के महत्व पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। आंगनवाड़ी केंद्र, पंजीपुर में 'दैनिक जीवन में स्तनपान' विषय पर एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया और प्रतिभागियों को विषय पर आधारित अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। महिलाओं और बच्चों ने गीत गाए, कविताएँ पढ़ीं, लघु कहानियाँ लिखीं और पेंटिंग और चित्र बनाए। विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरित किये गये। सामुदायिक चिकित्सा विभाग के जूनियर रेजिडेंट्स डॉ. आदर्श मोहन और डॉ. सैयद सोहैब हाशमी ने गृह विज्ञान विभाग के पीएचडी छात्रों के साथ लाल डिग्गी स्थित विंग्स ऑफ डिजायर एनजीओ का दौरा किया। उन्होंने आस–पास के निवासियों के लिए स्तनपान और पोषण पर एक प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया। जूनियर हाईस्कूल जवां के कक्षा 6 से 8 तक के 18 छात्र–छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों को पेंटिंग के विषय, 'स्तनपान कराने वाली माताओं द्वारा अपने बच्चों को पकड़ने' के बारे में जानकारी दी गई। यूएचटीसी और आरएचटीसी में तैनात प्रशिक्षुओं के लिए 'आइए स्तनपान कराएं और काम करें' विषय पर एक नारा लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। आरएचटीसी, जवां में रेजिडेंट डॉक्टरों, प्रशिक्षुओं और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए एक सेमिनार आयोजित किया गया। डॉ. चंदन कुमार तिवारी, जूनियर रेजिडेंट, मरियम रऊफ, इंटर्न और कुलदीप भारद्वाज, इंटर्न ने स्तनपान के विभिन्न पहलुओं पर बात की।

पारिवारिक दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के तहत रफीपुर सिया गांव में एक संवेदीकरण सत्र आयोजित किया गया। क्षेत्र की आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, परिवार गोद लेने के कार्यक्रम के लिए तैनात एमबीबीएस छात्रों, सामुदायिक चिकित्सा विभाग के रेसिडेंट्स और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने स्तनपान के लाभों के बारे में जानकारी प्रदान की। शमशाद मार्किट में एएसआरए फॉर वीमेन एनजीओ में स्तनपान पर एक प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया। सुल्तान जहां पब्लिक स्कूल में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों और एएसआरए में महिलाओं के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय था: 'माँ का आलिंगन: स्तनपान का जश्न मनाना'। कार्यक्रमों की श्रृंखला में, आरएचटीसी की सदस्य–प्रभारी डॉ. उज्मा इरम ने माताओं द्वारा स्तनपान की शीघ्र शुरुआत का समर्थन करने के लिए सीएचसी का दौरा किया। उन्होंने कोलोस्ट्रम के महत्व और बच्चे के जीवन के पहले 6 महीनों के लिए विशेष स्तनपान के लाभों पर जोर दिया। डॉ. उज्मा एरम की देखरेख में आरएचटीसी में आयोजित समारोह के दौरान चार महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने विशेष स्तनपान कराया और अपने बच्चों के लिए उचित टीकाकरण सुनिश्चित किया।

वॉटरप्रूफ पंडाल में होगी बाबूजी की श्रद्धांजलि सभा

अलीगढ़,(संवाददाता)। पूर्व सीएम बाबूजी कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि पर अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा। राम मंदिर निर्माण के अहम योद्धा रहे पूर्व सीएम की पुण्यतिथि को भाजपा हिंदू गौरव दिवस के रूप में मना रही है, जिसमें केंद्र और प्रदेश सरकार के दिग्गज शामिल होंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैं और उनके साथ सीएम योगी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही प्रदेश व देश स्तर के विभिन्न मंत्री और संगठन के पदाधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं। जिसके चलते प्रशासन सारी व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने में जुटा हुआ है। जिससे कि वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की कमी न रह जाए।

अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसके लिए मैदान में पंडाल और भव्य मंच तैयार किया जा रहा है। सावन माह को देखते हुए मंच को पूरी तरह से वाटर प्रूफ तरीके से तैयार किया जा रहा है, जिससे कि अगर बारिश आ जाए तो कार्यक्रम में कोई खलल न आए। डीआईजी शलभ माथुर, डीएम इंद्र विक्रम सिंह, एसएसपी कलानिधि नैथानी समेत विभिन्न पुलिस प्रशासन के अधिकारी सुबह से ही नुमाइश मैदान में डेरा डाले हुए हैं और अपनी देखरेख में सारे काम पूरे करा रहे हैं। जिससे कि कार्यक्रम में किसी तरह की कमी न रह जाए। मंच के साथ ही मैदान में हैलीपैड और स्पेशल रेस्ट रूम भी तैयार हो रहे हैं, जिसमें अतिथि विश्राम कर सकेंगे। गृहमंत्री और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए पूर्व सीएम कल्याण सिंह का परिवार भी तैयारियों में जुटा हुआ है। एटा सांसद राजवीर सिंह राजू भैया और प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह खुद भी अधिकारियों के साथ मौजूद रहकर तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। एक ओर जहां शहर को पूरी तरह से चमकाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नुमाइश मैदान के जर्जर द्वार और दीवारों को भी मरम्मत किया जा रहा है। जिससे वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त नजर आए। नगर निगम ने भी अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम को लगा दिया है।

नगर आयुक्त अमित आसेरी ने शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने 8 सेक्टर बनाए हैं और सभी सेक्टरों में सेक्टर प्रभारी नियुक्त किए हैं। जिससे कि वीवीआईपी मार्ग में सड़क पर गढ्ध्ढे से लेकर साफ–सफाई तक की सारी व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त किया जा सके। इसी देखरेख के लिए दो नोडल अधिकारी लगाए हैं, जो सारी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

स्कूल प्रबंधक और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद,छात्रों ने कोतवाली में जाकर किया प्रदर्शन

उरई/जालौन,(संवाददाता)। जालौन में शनिवार को एबीवीपी से जुड़े छात्र–छात्राओं ने एक स्कूल में छात्र–छात्राओं को परिषद से जोड़ने के लिए पहुंचे तो वहां स्कूल के प्रबंधक विवाद हो गया। जिसके बाद प्रबंधक के खिलाफ विद्यार्थी परिषद के छात्र–छात्राएं उरई कोतवाली पहुंचे। जहां विद्यालय के प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। जिसे देख कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ने छात्रों और प्रबंधक को बैठाकर मामले का हल निकाला। मामला उरई कोतवाली क्षेत्र के चुर्खी रोड स्थित जय मां दुर्गे इंटर कॉलेज का है। इस विद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र–छात्राएं, स्कूल में छात्र–छात्राओं को सदस्यता दिलाने वाले अभियान को लेकर पहुंचे हुए थे। इस दौरान विद्यालय में पढ़ाई चल रही थी, लेकिन विद्यार्थी परिषद के छात्र–छात्राएं रसीद काटने के लिए क्लास में पहुंच गये। जिसकी जानकारी स्कूल के प्रबंधक गजेंद्र सिंह चौहान को हुई. वह मौके पर पहुंचे। जिन्होंने छात्र–छात्राओं को स्कूल की छुट्टी होने के बाद सदस्यता अभियान की रसीद काटने की बात

कही, लेकिन इसी दौरान छात्र–छात्राओं का विवाद प्रबंधक से हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि प्रबंधक ने सदस्यता अभियान कराने पहुंचे छात्र–छात्राओं से अभद्रता करनी शुरू कर दी। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के छात्र–छात्राओं ने इस गहमा–गहमी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद घटना की जानकारी विद्यार्थी परिषद के अन्य सदस्यों को हुई। वह उरई कोतवाली पहुंचे। जहां उन्होंने कोतवाली के अंदर विद्यालय के प्रबंधक के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। साथ ही जमकर नारेबाजी की। कोतवाली के अंदर प्रदर्शन देखते हुए उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार राठौर मौके पर पहुंचे। जिन्होंने प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को समझाने का प्रयास किया। मगर छात्र–छात्राएं प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। मामला बढ़ता देख उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार राठौर ने तत्काल प्रबंधक को बुलाया और छात्र–छात्राओं के साथ बैठकर मामले का हल निकाला। तब कहीं जाकर यह विवाद शांत हुआ। इस मामले में उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक कुमार राठौर का कहना है कि मामूली बात पर छात्र–छात्राओं द्वारा उरई कोतवाली में हंगामा किया। फिलहाल दोनों पक्षों में आपसी सामंजस्य के बाद मामला शांत हो गया है।

बिजली समस्या को लेकर स्थानीय-लोगों ने लगाया जाम

उरई/जालौन,(संवाददाता)। जालौन में बिजली समस्या से परेशान होकर नगर के दो मोहल्लों के लोगों ने गंगा गेस्ट हाउस के पास जाम लगा लिया। साथ ही बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। जाम की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने मोहल्ले के लोगों को समझा–बुझाकर जाम खुलवाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले 1 माह से लगातार ट्रांसफार्मर फूंक रहा है। जिस कारण लोगों को मूलभूत समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। मामला जालौन कोतवाली नगर के मुहल्ला चुर्खी बाल और मोहल्ला घूआ ताल का है। इन दोनों मोहल्ले के लोग पिछले 1 माह से बिजली पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। जिस कारण परेशान होकर मोहल्ले वालों ने देव नगर चौराहे से चुर्खी जाने

वाले मार्ग पर स्थित गंगा गेस्ट हाउस के पास जाम लगाया। साथ ही बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। जाम लगाए स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार–बार इन इलाकों के ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। बिजली विभाग कम पावर के ट्रांसफार्मर रख दे रहा हैं। इलाके में ओवरलोड होने के कारण यह ट्रांसफार्मर बार बार फुंक रहे हैं। कई बार इसकी शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों से की। मगर अधिकारियों इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहीं कई बार ट्रांसफार्मर से वोल्टेज भी 250 से 300 आ जाते हैं। जिससे घरेलू उपकरण भी फुंक चुके हैं। मगर कोई भी अधिकारी इस समस्या का समाधान नहीं कर रहा है। इसी से नाराज होकर यह जाम लगाया गया। वहीं जाम की सूचना मिलने पर जालौन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने स्थानीय लोगों को समझा बुझाया और बिजली विभाग के अधिकारियों से बात कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। तब कहीं जाकर स्थानीय लोगों ने जाम खोला।

एसपी ने बदले 6 प्रभारी निरीक्षक

उरई/जालौन,(संवाददाता)। जालौन में शुक्रवार देर रात को पुलिस अधीक्षक डॉ ईरज राजा ने लंबे समय से एक ही कोतवाली में जमे प्रभारी निरीक्षकों का स्थानांतरण कर दिया है। एसपी ने चार कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सहित छह पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण किया है। जिसमें कालपी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह को उरई कोतवाली का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है, जबकि उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक को कालपी कोतवाली का प्रभार सौंपा। देर रात को सूची जारी करते हुए जालौन के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा ने बताया कि उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार सिंह को कालपी कोतवाली का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया, जबकि कालपी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक जीतेन्द्र कुमार सिंह को उरई कोतवाली की नई जिम्मेदारी दी गई। ठीक इसी प्रकार जालौन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक समीर कुमार सिंह को माधौगढ़ कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक के पद पर स्थानांतरण किया है और माधौगढ़ कोतवाली की जिम्मेदारी सम्हालने वाले विमलेश कुमार को जालौन कोतवाली का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है।आटा थाने की इटौरा चौकी के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार यति को कैलिया थाने का प्रभार सौंपा गया, जबकि कैलिया थाने के थानाध्यक्ष राम प्रकाश को पुलिस अधीक्षक का पी.आर.ओ बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उरई और कालपी के प्रभारी निरीक्षक लंबे समय से इसी कोतवाली में प्रभारी का पद संभाल रहे थे।

अमृत काल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित लेख लेखन प्रतियोगिता में बीए छात्रा निदा ने प्रथम स्थान हासिल किया

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) सेल द्वारा आयोजित लेख लेखन प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा निदा मोअज्जम ने प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि बीएससी तीसरे वर्ष की छात्रा अदीबा शारिक और एएमयू मुर्शिदाबाद केंद्र की बीएएलएलबी दूसरे वर्ष की छात्रा असका नाज द्वारा लिखित लेख को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान के लिए चुना गया। प्रतियोगिता का आयोजन एनईपी–2020 की तीसरी वर्षगांठ और 29–30 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित दूसरे अखिल भारतीय शिक्षा समागम के उपलक्ष में 'अमृत काल में एनईपी' विषय पर ऑनलाइन मोड में किया गया था। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने अपने कार्यालय में आयोजित एक सम्मान समारोह में विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देते हुए कहा कि यह सराहनीय है कि हमारे छात्र एनईपी 2020 के दृष्टिगत हमारे शैक्षिक ढांचे में लाए गए बदलावों से अवगत हैं। उन्होंने कहा कि एएमयू ने एनईपी के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति की है और यूजीसी द्वारा अनिवार्य किये गए एनईपी में प्रस्तावित परिवर्तनों के अनुसार विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली एक आदर्श बदलाव से गुजर रही है। एनईपी सेल के समन्वयक डॉ. सुहेल मुस्तजाब ने कहा कि एएमयू द्वारा अपनाए गए बदलाव एनईपी–2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप समग्र और समावेशी शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं जिसमें विशेष रूप से नवाचार और उद्योग–उन्मुख शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि एएमयू उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और अपने छात्रों को विकासशील शैक्षिक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। एनईपी सेल के सिस्टम मैनेजर श्री निसार अहमद खान ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हल्की बारिश के बाद निकली धूप, बढ़ी उमस

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ में पिछले दो दिनों से मौसम बदलने लगा है और आसमान में बादल छाए हुए हैं। शनिवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे और दोपहर होते–होते हल्की बूंदाबांदी भी

शुरू हो गई। लेकिन 10–15 मिनट बारिश होने के बाद ही धूप निकल आई। हल्की बारिश के बाद धूप निकलने से मौसम में उमस और ज्यादा बढ़ गई और लोगों को परेशान होना पड़ा। लोग पूरे दिन उमस भरी गर्मी में पसीने से तर बतर हो रहे हैं। लोग लगातार बारिश की आस लगा रहे हैं, जिससे कि मौसम में ठंडक आए और उन्हें उमस भरी गर्मी से राहत मिल सके। हालांकि अभी कुछ दिन तक हल्की बूंदाबांदी के आसार लगाए जा रहे हैं। अलीगढ़ में शनिवार को जहां अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक जाने की संभावना है, वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री तक रहने का अनुमान है। वहीं दोपहर में जिले का तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। आसमान में बादल छाए हुए हैं और बीच–बीच में धूप भी निकल रही है। धूप निकलने के कारण मौसम में चिपचिपाहट बढ़ रही है और लोगों को उमस के कारण सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। मौसम विभाग की माने तो सोमवार तक जिले का मौसम ऐसा ही रहेगा। रविवार को भी बादल छाए रहेंगे और बीच–बीच में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। जबकि सोमवार को हल्की बारिश होने का अनुमान लगाया जा रहा है। चिपचिपा और पसीने से भरा मौसम होने के कारण अस्पतालों में लगातार त्वचा रोग के मरीज बढ़ रहे हैं। जेएन मेडिकल कालेज से लेकर जिला अस्पताल और पं. दीनदयाल संयुक्त चिकित्सालय में मौसमी बीमारियों से मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जिले भर से मरीज अलीगढ़ पहुंच रहे हैं। विभाग के अनुसार अस्पतालों में हर दिन 1500–2000 मरीजों की ओपीडी हो रही है, जिसमें ज्यादातर मरीज त्वचा रोग और मौसमी बीमारी जैसे बुखार, खांची जैसी समस्याओं से प्रभावित हैं। जिसके चलते डॉक्टर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। वही स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

एएमयू में अध्यनरत 13 चीनी भाषा के छात्रों का बहुराष्ट्रीय कंपनी में चयन

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विदेशी भाषा विभाग के चीनी अनुभाग के दस स्नातक और 3 स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्रों सहित तेरह छात्रों को एक प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी, सदरलैंड द्वारा कई चरणों में आयोजित ऑनलाइन चयन अभियान के माध्यम से चयनित किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संकाय के डीन और विदेशी भाषा विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर मुहम्मद अजहर ने कहा कि चयनित छात्रों में अबू मुस्लिम जमाल, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद नासिर (एमए चीनी भाषा) और तौशिफ खान, मोहम्मद अजीम, मोहम्मद सैफ उस्मानी, मोहम्मद ओसामा गाजी, मोहम्मद इबरोज खान, तौफीक अहमद, ख्वाजा हसन तहामी, सकलैन मुश्ताक, तफजीलुर उर रहमान और योगेश (बीए चीनी भाषा) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों ने सदरलैंड के आधिकारिक ऑनलाइन आवेदन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया था और कंपनी द्वारा अंतिम चयन और नौकरी प्रस्ताव पत्र प्राप्त होने से पूर्व कई राउंड के माध्यम से उनकी योग्यता और चीनी भाषा कौशल का परीक्षण किया गया। इन छात्रों को कंपनी के चेन्नई स्थित कार्यालय में एसोसिएट कस्टमर सपोर्ट के रूप में काम करने के लिए नियुक्त किया गया है।

एएमयू के हादी हसन हॉल में जी20 के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हादी हसन हॉल में जी20 थीम पर केन्द्रित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर असमर बेग ने 'जी–20 और बदलती वैश्विक शक्ति गतिशीलता' विषय पर एक व्याख्यान दिया। प्रोफेसर बेग ने वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण बदलावों के बीच जी–20 की अध्यक्षता में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह अवसर विभिन्न राष्ट्रों के बीच सहयोग को फिर से जीवंत करने और वैश्विक शासन के लिए वैकल्पिक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को बढ़ावा देने का एक आशाजनक अवसर प्रदान करता है। बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के प्रोफेसर परवेज तालिब ने संबंधित विषय पर अपने विचार व्यक्त किये और छात्रों से विचारोत्तेजक अंतर्दृष्टि साझा की। प्रोवोस्ट प्रोफेसर गुलाम सरवर हाशमी के स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन अल्तमश अहमद और मोहम्मद इमरान ने किया। दानिश खान ने देशभक्ति धुन प्रस्तुत की।

पैसे के विवाद में युवक को मारी गोली

बांद,(संवाददाता)। जिले में देर शाम को फल विक्रेता से पैसे के लेन देन को लेकर हुए विवाद में युवकों ने अवैध असलहे से फायरिंग कर दी। जिसमें वहां खड़े राहगीर के पैर में गोली लग गई। स्थानीय लोगों ने घायल को उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया। भीड़ ने फायरिंग करने वाले युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक के पास से पुलिस ने एक 32 बोर का अवैध असलहा बरामद किया है। वही घायल युवक का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। आपको बता दें कि मामला शहर कोतवाली के मंडी समिति गेट पर स्तिथ फल की दुकान का है जहाँ देहात कोतवाली के महोखर गांव के निवासी दो युवक फल लेने आये और फल लेकर चले गये कुछ समय बीत जाने के बाद दोनों युवक फल विक्रेता के पास वापस आये और फल विक्रेता से पैसे के लेन देन को लेकर उससे विवाद करने लगे मामला इतना बढ़ गया कि युवकों ने गाड़ी में रखा अवैध असलहा निकाला और फायरिंग कर दी। जिससे पास खड़े युवक के पैर में गोली लग गई। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग वहा पहुंचे और फायरिंग करने वाले युवको को पकड़ने का प्रयास किया। जिसमें एक युवक को भीड़ ने पकड़ लिया। मौका पाकर दूसरा युवक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया और फायरिंग करने वाले युवक को हिरासत में ले लिया। घायल युवक का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। क्षेत्राधिकारी नगर ने बताया कि देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर गांव के दो युवक विकास सिंह और विपिन तिवारी फल की दुकान से फल लेकर गये थे। वापस आकर फल विक्रेता से पैसे के लेन देन को लेकर विवाद हुआ और विकास सिंह ने अवैध असलहे से फायरिंग कर दी जिससे वहां खड़े युवक के पैर में गोली लग गई। घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सांप काटने से युवक की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

बांदा,(संवाददाता)। जिले में सांप के काटने से एक युवक की मौत हो गई। जैसे ही मजदूरों ने देखा तो तुरंत आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर उसकी मौत हो गई। परिजनों ने जैसे ही यह खबर सुनी तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा के अतर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरहा गांव निवासी अनुज (21) पुत्र जगनंदन्दन बदौसा में हर घर जल योजना में कार्य करता था। सुबह जब वह कमरे में सो रहा था, तभी सांप ने उसे अचानक काट लिया। जैसे ही उसने शोर मचाया तो मजदूर इकट्ठा होने लगे और उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल तसल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।

सम्पादक
अमित कुमार वर्मा

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।